साहित्य अमृत

मासिक

वर्ष-२२ अंक-८ ❖ पृष्ठ ८४ | फाल्गुन-चैत्र, संवत्-२०७३-७४ | मार्च २०१७

संस्थापक संपादक

स्व. पं. विद्यानिवास मिश्र

पूर्व संपादक

स्व. डॉ. लक्ष्मीमल्ल सिंघवी

संपादक

त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी

प्रबंध संपादक

श्यामसुंदर

संयुक्त संपादक

डॉ. हेमंत कुकरेती

कार्यालय

४/१९, आसफ अली रोड,
नई दिल्ली-११०००२
फोन : २३२८९७७७ • फैक्स : २३२५३२३३
इ-मेल : sahityaamrit@gmail.com

शुल्क

एक अंक —₹ ३०
वार्षिक (व्यक्तियों के लिए)—₹ ३००
वार्षिक (संस्थाओं/पुस्तकालयों के लिए)—₹ ४००
विदेश में
एक अंक—चार यू.एस. डॉलर (US$4)
वार्षिक—पैंतालीस यू.एस. डॉलर (US$45)

प्रकाशक, मुद्रक तथा स्वत्वाधिकारी श्यामसुंदर द्वारा ४/१९, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-२ से प्रकाशित एवं ग्राफिक वर्ल्ड, १६८६, कूचा दखनीराय, दरियागंज, नई दिल्ली-२ द्वारा मुद्रित।

साहित्य अमृत में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक अथवा प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

इस अंक में

संपादकीय

राजस्थान राज्य अभिलेखागार··· ४

प्रतिस्मृति

काहे फिरत बौरानी हो रामा/ *कमलापति मिश्र* ८

कहानी

देहदान/ *मनोहर पुरी* १०
विमला/ *विष्णु भट्ट* २०
प्रेम की जीत/ *देवकीनंदन शुक्ल* ३३
नैना/ *रेनू सैनी* ३८
आखिर वो मर्द है/ *रहिला रईस* ४६

आलेख

पाठालोचन : प्रो. डी.एल.एन. के स्मृतिपूर्ण मार्गदर्शन के साथ/ *बी.वाई. ललितांबा* १४
नंदकुँवर खेलत राधा संग होरी···/ *ज्योति प्रकाश खरे* २४
ब्रज बीथिन मच रही होरी/ *विभा सिंह* ३०
पौराणिक साहित्य में संस्कृति का चिंतन/ *मरूफ उर रहमान* ६८

पुस्तक-अंश

मितभाषी, गंभीर और स्पष्ट चिंतन/ *ओमप्रकाश कोहली* १८

लघुकथा

कड़वा सच/ *अनिता देवी* १७
प्रवचन और राशिफल/ *संजय कुमार* ५६
पैसे का डिब्बा/ *जय किशोर बरेरिया* ७५

स्मरण

डॉ. रमाशंकर शुक्ल 'रसाल' : हिंदी साहित्य का एक अनूठा व्यक्तित्व/ *दयाशंकर शुक्ल* २६

कविता

सरस्वती वंदना/ *सुरेश चंद्र निशिकर* ९
भूख/ *सितम सागर वेदवाक्* १२
तुम हर बगिया···/ *रामगोपाल शर्मा 'दिनेश'* १३
फागुन आ गया/ *संजय पंकज* २३
हाथ लिये पिचकारियाँ/ *अणिमा सिंह* ३२
रंग-रंग हैं मस्तियाँ/ *अशोक 'अंजुम'* ५३
नीति के दोहे/ *नरेंद्र दीपक* ५९
बस यूँ ही/ *सुनीता बहल* ७०
अवध में फागुन···/ *प्रतिमा अखिलेश* ७१

पत्र

बाबू गुलाब राय व निरालाजी के पत्र/ *विनोद शंकर गुप्त* ३६

हास्य-व्यंग्य

उस होली से इस होली तक/ *शमीम शैख* ४४

राम झरोखे बैठ के

हमारे मोहल्ले के लोग/ *गोपाल चतुर्वेदी* ५०

साहित्य का भारतीय परिपार्श्व

अगला जन्म/ *दिनकर जोशी* ५४

रिपोर्ताज

सिंहस्थपुरी के अविस्मरणीय क्षण/ *अखिलेश सिंह श्रीवास्तव* ५७

साहित्य का विश्व परिपार्श्व

दिनभर का इंतजार/ *अर्नेस्ट हेमिंग्वे* ६०

यात्रा-संस्मरण

लला, फिर आइयो खेलन होरी/ *प्रेमपाल शर्मा* ६२

लोक-साहित्य

लोकगीतों में राम···/ *तिलक राज शर्मा* ७२

बाल-संसार

बिन दिमाग/ *कोमल वाधवानी 'प्रेरणा'* ७४

पाठकों की प्रतिक्रियाएँ ७६
वर्ग-पहेली ७८
साहित्यिक गतिविधियाँ ७९